My first step in the world of Blogging

by Narendra Modi 14. April 2009 14:17

मित्रो,

आप सबके स्नेह भरे आग्रहों की वजह से आज मैं ब्लॉग की दुनिया में कदम रख रहा हूं.

आज १४ अप्रेल है ; डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की ११८ वी जन्मजयंती.

शोषित, पीडित और वंचित वर्ग के बीच जन्मे अनेक विपत्तियों से जूझने वाले - 'शिक्षित बनो, संगठित बनो, सौर संघर्ष करो' ऐसा अत्यंत सकारात्मक मंत्र देने वाले इस विश्वमानव को मेरा कोटि-कोटि प्रणाम.

हम लोकतांत्रिक भारत के संविधान निर्माता की जन्मजयंती के साथ-साथ लोकसभा चुनावों का त्योहार भी मना रहे हैं. संपूर्ण जगत में भारत का स्थान सबसे बडे लोकतंत्र के रुप मे सुरक्षित है. और लोकतंत्र का सबसे बडा त्योहार है चुनाव. त्योहारों की ही तरह चुनाव में भी भिन्न-भिन्न रंग होना स्वाभाविक है. हरेक दल और उम्मीदवार के अपने-अपने लक्ष्य होना भी सहज है.

इस देश के नागरिक होने की वजह से, मतदाता होने की वजह से, हमारा लक्ष्य एक ही होना चाहिए: भारत शक्तिशाली बन के कैसे उभरे? भारत अधिक समृद्ध कैसे बने? हमारा लोकतंत्र अधिक मजबूत, परिपक्व और सर्व-समावेशक बने इसे ध्यान में रख नागरिक के रुप में अपने निहित धर्म का पालन अवश्य करें.

राष्ट्रहित का भाव हर मताधिकार रखने वाले नागरिक में होना ही चाहिए.

दोस्तो, इस ब्लॉग के द्वारा एक-दूसरे को जानने की अपेक्षा विविध दृष्टिकोण से सर्वग्राही तरीके से विचार-विमर्श करें तो एक सामूहिक मंथन, मनन और चिंतन का आनंद प्राप्त होगा. इसे मूर्त रुप से देखने में सबकी मदद मिलेगी.
* एक अंगी (एकांगी) विचार, सर्वांगी बन सकें.
* आत्म की गति, सबकी बन आगे बढें.
* 'मेरा सब अच्छा हो' के स्थान पर 'सब अच्छा मेरा हो' ऐसा माहौल तैयार हो.

मित्रो, हम मिलते रहेंगे, वैचारिक आदान प्रदान करते रहेंगे. आज के लिए सिर्फ इतना ही.

आपका,

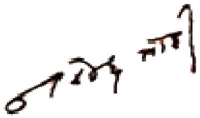

Copyright © 2009 NarendraModi.com